भारत सरकार
सहकारिता मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 690
मंगलवार, 06 फरवरी, 2024/17 माघ, 1945 (शक) को उत्तरार्थ

पी.ए.सी.एस. के माध्यम से ई-सेवाएं

690. श्री सुशील कुमार सिंहः

क्या **सहकारिता मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार का ग्रामीण स्तर पर प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (पीएसीएस) के माध्यम से ई-सेवाएं प्रदान करने का विचार है; और

(ख) यदि हां, तो उक्त योजना का ब्यौरा क्या है?

उत्तर
सहकारिता मंत्री (श्री अमित शाह)

(क) से (ख): प्राथमिक कृषि क्रेडिट समितियों (पैक्स) के सुदृढ़ीकरण हेतु भारत सरकार द्वारा 2,516 करोड़ रुपए के कुल वित्तीय परिव्यय से 63,000 कार्यशील पैक्स के कंप्यूटरीकरण की परियोजना को अनुमोदित किया गया है, जिसमें सभी कार्यशील पैक्स को ईआरपी (एंटरप्राइज रिसोर्स प्लानिंग) आधारित कॉमन राष्ट्रीय सॉफ्टवेयर पर लाकर, उन्हें राज्य सहकारी बैंकों (StCBs) और जिला केंद्रीय सहकारी बैंकों (DCCBs) के माध्यम से नाबार्ड के साथ लिंक करना शामिल है ।

इस परियोजना के लिए नाबार्ड द्वारा राष्ट्रीय स्तर के कॉमन सॉफ्टवेयर का विकास किया जा चुका है और अब तक 27 राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों में 15,783 पैक्स ईआरपी पर ऑनबोर्ड किए जा चुके हैं ।

इस परियोजना के तहत पैक्स स्तर पर कॉमन अकाउंटिग सिस्टम (CAS) और मैनेजमेंट इंफॉर्मेशन सिस्टम (MIS) के कार्यान्वयन से पैक्स के शासन और पारदर्शिता में सुधार होगा, जिसके फलस्वरूप ऋणों का त्वरित संवितरण, लेनदेन लागत में कमी, भुगतान असंतुलनों में कमी, जिला केंद्रीय सहकारी बैंकों और राज्य सहकारी बैंकों के साथ निर्बाध लेंखांकन सुनिश्चित हो सकेगा और उनकी कार्यकुशलता में भी वृद्धि होगी ।

उपर्युक्त के अतिरिक्त, प्राथमिक कृषि क्रेडिट समितियों (पैक्स) को कॉमन सेवा केंद्र (CSC) के रूप में कार्य करने में सक्षम बनाने के लिए सहकारिता मंत्रालय, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, नाबार्ड और सीएससी ई-गवर्नेंस सर्विसेज इंडिया लिमिटेड के बीच एक समझौता ज्ञापन हस्ताक्षरित किया गया है, जिससे पैक्स देश भर में गांव के स्तर पर ही बैंकिंग, बीमा, आधार पंजीकरण/अद्यतन, स्वास्थ्य सेवाएं, कृषि सेवाएं, आदि सहित 300 से भी अधिक ई-सेवाएं प्रदान कर सकेंगे । कॉमन सेवा केंद्र के रूप में पैक्स को ऑनबोर्ड करने की प्रक्रिया आरंभ हो चुकी है और देश में अब तक, 30,647 पैक्स द्वारा कॉमन सेवा केंद्र (CSC) की सेवाएं प्रदान करना आरंभ किया जा चुका है ।

*****